में दर्ज प्राथियों का प्रतिशत प्राप्त नहीं है। ३१ अक्तूबर, १९५६ को दर्ज प्राथियों का प्रतिशत इस प्रकार है :—

	प्रतिशत
प्रविधिक कर्मचारी	८.२
क्लर्क	२९.८
शिक्षक	५.१
अकुशल कर्मचारी	४८.७

प्रबन्ध में श्रमिकों का भाग लेना

१३९४. **श्री वि० प्र० सिंह** : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि प्रबन्ध में श्रमिकों के भाग लेने सम्बन्धी अध्ययन मंडल की, जिसने इंगलैंड और यूरोप का भ्रमण किया, रिपोर्ट पर क्या निर्णय किया गया है ?

श्रम और रोजगार तथा योजना मंत्री के सभा-सचिव (श्री ल० ना० मिश्र) : अध्ययन दल की रिपोर्ट पर पिछले भारतीय श्रम सम्मेलन ने विचार किया और यह सिफारिश की कि देश में योजना को अमल में लाने का काम दो साल तक नियोजकों की इच्छा पर छोड़ दिया जाय। सम्मेलन ने योजना पर आगे विचार करने के लिये एक उप-समिति बनाने का भी सुझाव दिया था। इस उप समिति की बैठक ६ अगस्त, १९५७ को हुई जिसमें यह सुझाव दिया गया कि सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्रों के लगभग ५० चुने हुये कारखानों इत्यादि पर इस योजना को परीक्षण के रूप में चलाया जाय।

श्रमिकों के परिवारों के लिये चिकित्सा सम्बन्धी सुविधायें

१३९५. **श्री वि० प्र० सिंह** : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) कोयला खदान क्षेत्रों में जो अस्पताल मजदूरों की चिकित्सा के लिये खोले गये हैं, उन में क्या मजदूरों के परिवारों को भी चिकित्सा की सुविधायें दी जाती हैं ;

(ख) यदि हां, तो परिवार के किन-किन सदस्यों की चिकित्सा की अनुमति है ; और

(ग) क्या श्रमिकों को इलाज के लिये कुछ देना पड़ता है ?

श्रम और रोजगार तथा योजना मंत्री के सभा-सचिव (श्री ल० ना० मिश्र) : (क) जी हां।

(ख) स्त्री, जायज बच्चे और वे सौतेले बच्चे जो पूर्ण रूप से कामगरों के साथ रहते हैं और उन पर आश्रित हों। काम करने वाली स्त्री का पति, जो उसके साथ रहता हो और पूर्ण रूप से उस पर आश्रित हो, भी चिकित्सा सुविधा पाने का हकदार है।

(ग) ऐसे कामगरों के परिवार-सदस्य जिन्हें महीने में कुल मिला कर ३०० रुपये से ज्यादा वेतन नहीं मिलता, इन्डोर इलाज मुफ्त पाते हैं। आउटडोर इलाज सभी के लिये मुफ्त है।

कोयला खान श्रमिकों के लिये अस्पताल

१३९६. **श्री वि० प्र० सिंह** : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) कोयला खान क्षेत्रों में जो अस्पताल मजदूरों की चिकित्सा के लिये खोले गये हैं क्या उनमें मजदूरों के अलावा अन्य व्यक्तियों का भी इलाज किया जाता है ; और

(ख) यदि हां, तो किन-किन शर्तों पर ?

श्रम और रोजगार तथा योजना मंत्री के सभा-सचिव (श्री ल० ना० मिश्र) : (क) जी हां।

(ख) कोयला खान श्रम कल्याण फंड संस्था के अस्पतालों और दवाखानों में आम जनता आउटडोर इलाज मुफ्त पाती है। विशेषज्ञों द्वारा परीक्षा कराने पर निर्धारित फीस ली जाती है। निश्चित फीस देने पर आम लोगों को इन्डोर मरीजों के रूप में जनरल और स्पेशल वार्डों में भी भरती किया जाता है बशर्ते कि पलंग खाली हों क्योंकि भरती करने में कोयला खनिकों और उनके आश्रितों को तरजीह दी जाती है।

केन्द्रीय अस्पताल, झरिया

१३९७. **श्री वि० प्र० सिंह** : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) झरिया कोयला खान क्षेत्र के केन्द्रीय अस्पताल में कितने डाक्टर और कितने अन्य कर्मचारी हैं ;

(ख) इस अस्पताल में और अधिक बिस्तरों की व्यवस्था करने के लिये नये भवन के निर्माण में क्या प्रगति हुई है, और

(ग) इस भवन पर कुल कितना खर्च होगा ?

श्रम और रोजगार तथा योजना मंत्री के सभा-सचिव (श्री स० ना० मिश्र) : (क) १७ डाक्टर, १ मैट्रन और २२३ अन्य टेकनिकल और नॉन-टेकनिकल कर्मचारी।

(ख) पलंगों की संख्या बढ़ाने के लिये कुछ और वार्डों का निर्माण समाप्ति पर है।

(ग) लगभग ५ लाख रुपये।

रानीगंज कोयला क्षेत्र में केन्द्रीय अस्पताल

१३९८. **श्री वि० प्र० सिंह** : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि रानीगंज कोयला खान क्षेत्र के अन्य केन्द्रीय अस्पताल में बिस्तरों की संख्या बढ़ाने की योजना को कार्यान्वित करने में इस बीच क्या प्रगति हुई है ?

श्रम और रोजगार तथा योजना मंत्री के सभा-सचिव (श्री स० ना० मिश्र) : केन्द्रीय अस्पताल आसनसोल में पलंगों की संख्या बढ़ाने के लिये विचार किया जा रहा है।

चलचित्रों का प्रदर्शन

१३९९. **श्री हेडा** : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) किन किन कोयला खान क्षेत्रों में चलचित्रों के प्रदर्शन की व्यवस्था की गई है ;

(ख) चलचित्रों के प्रदर्शन के लिये कितने भवन बनाये गये हैं ; और

(ग) चलचित्रों को प्राप्त करने के लिये कितना खर्च किया जाता है ?

श्रम और रोजगार तथा योजना मंत्री के सभा-सचिव (श्री स० ना० मिश्र) : (क) झरिया, मुगमा, रानीगंज, रामगढ़-कर्णपुर, बोकारो, मध्य प्रदेश, खादा, हैदराबाद, सम्बलपुर, उड़ीसा, आसाम, कोरिया और विन्ध्य प्रदेश कोयला क्षेत्रों में फिल्में दिखाने का प्रबन्ध है।

(ख) चूंकि फिल्में खुली हवा में दिखाई जाती हैं, इसलिये कोई इमारत नहीं बनाई गई है।

(ग) ३० रुपये से ४० रुपये तक प्रति शो।

छात्रवृत्तियां

१४००. **श्री हेडा** : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कोयला खनिकों के बच्चों को छात्रवृत्ति के रूप में प्रतिवर्ष कितना धन दिया जा रहा है ;